

NIC's Missing Child Portal aids family reunion

IT created history by reuniting the 13 year old Sunny with his family in district Vidisha (Madhya Pradesh) after 6 long years. The credit of this exceptional accomplishment goes to the **Missing Child Portal** designed, developed and implemented by NIC pan India.

Sunny had left his parental house alongwith his friends when he was 7 years old and had unknowingly boarded a train to Bhopal, 60 kms from Vidisha. The Railway Police personnel (GRP) found him crying on the platform and produced him before the child helpline authorities. Sunny had faint memories of his mother and sister and remembered that he belonged to Vidisha. The shelter home ("उम्मीद") where he took refuge, uploaded Sunny's photo on the Missing Child Portal. After several days of scrutiny, the determined efforts of CSP Vidisha, who visited the portal, reaped fruit. Sunny recognized his mother(who had lodged an FIR) and was handed over to his family after proper verification and intervention by Child Welfare Committee.

Thanks to the technology which miraculously bridged the small physical separation (60 km) between family members separated for years.

मध्यप्रदेश
दैनिक भास्कर, भोपाल, मंगलवार, 23 जून, 2015

लौटी खुशी | सात साल की उम्र में घर से भागा था, जीआरपी ने चाइल्ड लाइन को सौंपा
छह साल बाद मां से मिला सनी
सिटी रिपोर्टर | भोपाल

दिल पर पत्थर रख लिया था

नाम- सनी उर्फ राज, उम्र 13 साल। सात साल की उम्र में घर से दोस्तों के साथ चला और ट्रेन में बैठकर भोपाल आ गया। स्टेशन पर रोते देखा तो जीआरपी पुलिस ने चाइल्ड लाइन भेज दिया। सनी को अपने घर के बारे में इतना ही पता था कि विदिशा में है। चार साल बीत गए। सनी के दिमाग में मां और बहन की धुंधली सी याद बाकी थी। उम्मीद बाल गृह ने सनी नाम दिया और उसकी फोटो मिसिंग चाइल्ड के पोर्टल पर अपलोड कर दी। विदिशा सीएसपी ने पोर्टल देखा तो उसके परिवार की तलाश शुरू कर दी। मेहनत रंग लाई। मां और बहन को खोज निकाला। सनी ने भी चार साल बाद मां को पहचान लिया। बाल कल्याण समिति ने दस्तावेज के आधार पर परिजनो को सौंप दिया।

विदिशा कोतवाली में हाल ही में पहुंचे सीएसपी नागेंद्र पटेलिया मिसिंग चाइल्ड की रिपोर्ट देख रहे थे। राज नाम के बच्चे की मिसिंग रिपोर्ट देख कर मिसिंग चाइल्ड के पोर्टल पर सच किया। पता चला कि एक विदिशा का एक बच्चा उम्मीद बाल गृह में है। उन्होंने चाइल्ड लाइन भोपाल से संपर्क किया। उम्मीद बाल गृह की डायरेक्टर

उषा ने बताया कि पति की मौत हो गई थी। राज घर के पास से कई साल पहले गायब हो गया था। वही राखी (बहन) ने बताया की भाई की याद में मां बीमार हो गई थी। उसके न मिलने पर हमने दिल पर पत्थर रख लिया था। मिलने पर राज ने पहले तो बहन को पहचानने से इंकार कर दिया लेकिन मां को देखकर उससे लिपट गया।

अर्चना सहाय ने बताया कि माता-पिता की मिलने की उम्मीद न के बराबर थी। इस बीच उसे अयोध्या नगर स्थित बीएनएल स्कूल में एडमिशन करा दिया। नर्सरी से पढ़ाई करते हुए सनी तीसरी कक्षा में पहुंच गया। उसने स्कूल में 100 मीटर दौड़ और ताईक्वांडो में पहला स्थान प्राप्त किया। अर्चना सहाय ने बताया कि धुंधली यादों से वह मां को तो पहचान सका, लेकिन बहन को नहीं।